भेरु थारे शिशोदा में बाजे ढोल रमतो रमतो आवजे

भेरु थारे शिशोदा में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे,
भेरू मंदरिया का पटना खोल,
दर्शन ने आवे जातरी,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

अरे भेरू शिशोदा में मोटी धाम,
दे दर्शन दुख मेट जे,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

ऐ भेरू थाली मादल बाजे ढ़ोल,
भक्त लुल लुल नाचता,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

ऐ इन कलयुग में परच्या जोर,
नर नारी थारा दर्शन पावता,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

ऐ थारे जगमग जागे दिवला री जोत,
दर्शन कर सुख पावता,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

भेरू निचली भागल रा नर और नार,
जागण जोर जगावता,
अरे जागण जोर जगावे लोग,
भक्ताने बुलावता,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भेरु थारे शिशोदा में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे,
भेरू मंदरिया का पटना खोल,
दर्शन ने आवे जातरी,
अरे भेरू मंदरिया में बाजे ढोल,
रमतो रमतो आवजे।bd।

गायक – नरेश प्रजापत।
प्रेषक – मगन लाल प्रजापति मोलेला।
7229814054

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com